nt>

Title: Need to lift the ban on recruitment to Government Services in Jammu & Kashmir.

MR. SPEAKER: The Government should consider this issue seriously.

Now, Chaudhary Lal Singh. Please be brief.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No other comments will be taken note of.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : सर, आपकी बड़ी मेहरबानी। सर, हमारा मसला बड़ा जरूरी है।

अध्यक्ष महोदय : जल्दी फिनिश कीजिए।

चौधरी लाल सिंह : सर, जितना टाइम मेरा आपने ले लिया, उतने में तो मैं अपनी बात खत्म कर देता।

MR. SPEAKER: Thank you for your advice. You better look after yourself.

चौधरी लाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी रियासत जम्मू-काश्मीर के हालात आप बेहतर जानते हैं, पूरा हिन्दुस्तान जानता है। इसका मुकाबला किसी अन्य स्टेट से किया जाए तो मैं समझता हूं कि वह अलग बात होगी। आप जानते हैं कि जम्मू-काश्मीर स्टेट की रिक्रुटमेंट बैन की गई है। हमारा टूरिज़म, हैंडीक्राफ्ट्स खत्म है, एग्रीकल्चर और हार्टीकल्चर इफेक्टेड है। हमारे स्टेट की बुरी हालत है। हमारे यहां रोजगार खत्म हो रहा है और हमारा यूथ बेकार है। कोई भी जरिया ऐसा नहीं है कि हमारे लोग उस पर अपनी जिन्दगी का निर्वाह कर सकें।

अध्यक्ष महोदय, हमारी 25,000 पोस्टें वेकेंट पड़ी हैं, उसमें बिजली, हैल्थ और ड्रिंकिंग वाटर पर इफेक्ट हो रहा है। बेसिकली हमारा यूथ बहुत परेशान है। इसलिए हमारी रिकवेस्ट है कि इसे हमारी सरकार कंसीडर करे। हमारी स्टेट से रिक्रुटमेंट पर लगा बैन उठाए ताकि हमारे बच्चों को रोजगार मिल सके और जो गलत बातों में बार-बार इन्डल्ज़ हो रहे हैं, वे कम से कम वापस आएं। हमारी स्टेट में शांति हो और लोगों को रोजगार मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, अगर आपको मेरी बात का गुस्सा लगा है तो उसके लिए मैं माफी चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : धन्यवाद। गुस्से की बात नहीं है, यह हाउस चलाने की बात है। यह कोई क्लब नहीं है। This is the House of the People of Parliament of India. We are not conducting ourselves in that manner.